

वैद्य राजेश कोटेचा

वैद्य राजेश कोटेचा आयुर्वेद का ज्ञान प्राप्त करने के लिए विश्व प्रसिद्ध केन्द्र, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति हैं। वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में आयुर्वेद तथा योग जैसी अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की क्षमता का प्रचार-प्रसार करने में आपकी भूमिका के लिए आपको पूरे विश्व में जाना-पहचाना जाता है। इस महती भूमिका के कारण आयुर्वेद की शिक्षा तथा मानवता की सहायता के संबंध में भारत विश्व स्तरीय ज्ञान का केन्द्र बन सका है।

2. आपका जन्म जून 18, 1963 को हुआ। आपने वर्ष 1985 और 1991 में गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय से क्रमश: बी ए एम एस (आयुर्वेद औषधि एवं शल्य चिकित्सा में स्नातक) तथा स्नातकोत्तर (एम डी) की डिग्रियां प्राप्त कीं। बाद में आपने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में श्री नानाजी देशमुख के साथ काम किया। इस अवधि के दौरान आप दो वर्ष से भी कम समय में आयुर्वेद का पूर्ण संकाय विकसित करने में सहायक रहे। आप चित्रकूट में स्थित दीनदयाल अनुसंधान संस्थान द्वारा आरंभ की गई 100 गांवों में संपूर्ण स्वास्थ्य के लक्ष्य को हासिल करने में किए गए प्रयोगों के परियोजना अन्वेषक के तौर पर सक्रिय रूप से शामिल रहे। आपने जे आर डी टाटा फाउंडेशन फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद एंड योगिक साइंसेज में अनुसंधान निदेशक के रूप में सेवाएं दीं तथा इस फाउंडेशन की अवसंरचना के विकास के लिए वृहद अनुसंधान के लिए मुख्यत: उत्तरदायी रहे।

3. आपने चित्रकूट और जामनगर में नवोन्मेषी शैक्षणिक सुधार विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाई। आपके अनेक वैज्ञानिक शोधपत्र और एक पुस्तक प्रकाशित हुआ है। आप नैदानिक विशेषज्ञता के लिए विख्यात हैं तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में गैरी एंड सन, रेनो, नेवाडा एंड ओमाहा हीलिंग आर्ट्स सेंटर, ओमाहा, नेब्रास्का, क्यूराकाओ वैदिक फाउंडेशन, क्यूराकाओ, नीदरलैंडस अंटिल्स, कमला सेंटर आयुर्वेद, बगोटा, कोलंबिया तथा सेंटर आयुर्वेद डे एक्वीटाइन, बॉरडियूक्स, फ्रांस में आयुर्वेद परामर्शदाता हैं। आप ओमाहा योग सेन्टर, ओमाहा, नेब्रास्का, यू एस ए, एक्सटर्नाडो यूनिवर्सिटी, बगोटा, कालंबिया, आईलैंड योग विस्टा, ननाईमो, बी सी, कनाडा तथा अम्स योगा सेंटर, अम्स, आई ए, यू एस ए में अतिथि संकाय हैं।

4. आपने वर्ष 1998 में जयपुर, भारत में चक्रपाणि आयुर्वेद क्लिनिक एवं अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की तथा जुलाई, 2013 तक यहां मुख्य चिकित्सक तथा कार्यकारी निदेशक रहे। आपके नेतृत्व में इस केन्द्र ने 15 वर्ष से भी कम समय में तेजी से विकास किया तथा इसे आई एस ओ 9001:2008 और आई एस ओ 22000:2005 गुणवत्ता संबंधी प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए। आपके कार्यकाल के दौरान चक्रपाणि केन्द्र की पूरे विश्व में विभिन्न पुरानी बीमारियों तथा गैर-संक्रामक रोगों के आयुर्वेदिक निदान केन्द्र के रूप में पहचान बनी। आप आयुर्वेद में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संबंधी चक्रपाणि वैश्विक केन्द्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे। आपने आयुर्वेद से संबंधित सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली 75 वेबसाइटों के प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभाई है। आप भारत में विज्ञान भारती के सलाहकार तथा विज्ञान भारती की पहल वर्ल्ड आयुर्वेद फाउंडेशन के न्यासी हैं।

5. आपने आयुर्वेद संबंधी शोध में नवोन्मेषी दृष्टिकोणों के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आप, शासकीय निकाय, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आयुष विभाग, भारत सरकार), शासकीय परिषद एवं अनुसंधान समिति, भारतीय विश्वविद्यालय एसोसिएशन, नई दिल्ली, अनुसंधान सलाहकार बोर्ड, दीनदयाल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, तकनीकी समिति, गुजरात औषधीय पादप बोर्ड, गुजरात सरकार के सदस्य, विशेषज्ञ सदस्य, सलाहकार समिति, आयुष विभाग, राजस्थान सरकार, राष्ट्रीय सलाहकार समिति, एस आई डी ए आर टी (सोसाइटी फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एक्टीविटिज़, रिसर्च एंड ट्रेनिंग), भारत के सदस्य हैं। आपने भारत सरकार की स्वास्थ्य सेवा, लोक स्वास्थ्य, बीमा और प्रमाणीकरण संबंधी 12वीं पंचवर्षीय योजना आयुष स्टीयरिंग दल-उप समिति के सदस्य के तौर पर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। आप, आयुर्वेद की शिक्षा से जुड़े विभिन्न भारतीय और विदेशी विद्यालयों में पंचकर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम की अग्रणी महत्वपूर्ण कड़ी हैं। आपको जर्मनी, यू एस ए, यू के, फ्रांस, कोलंबिया, ब्राजील, इटली, क्यूराकाओ, कनाडा और नीदरलैंड जैसे विभिन्न देशों में आयुर्वेदिक पद्धतियों पर व्याख्यान देने हेतु लगातार आमंत्रित किया जाता रहा है।

6. आपको अनेक सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें हाकिम अजमल खान सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त वर्ष 2007 में वैश्विक चिकित्सक अवॉर्ड, वर्ष 2008 में अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद चिकित्सक अकादमी द्वारा आयुर्वेद रामा अवॉर्ड आदि शामिल हैं।



Vaidya Rajesh Kotecha

Vaidya Rajesh Kotecha is the Vice Chancellor of Gujarat Ayurved University, a center of global attraction for learning Ayurveda. He is widely recognized across the world for his role in disseminating potential of Ayurveda and other traditional healing approaches like Yoga in global healthcare. This has made India a home of world-class learning and teaching and serving the humanity through Ayurveda.

2. Born on June 18, 1963, Vaidya Kotecha received his BAMS (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery) and Post Graduate (MD) degree from Gujarat Ayurved University in 1985, and 1991 respectively. Later, he worked with Shri Nanaji Deshmukh at Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya University, Chitrakoot. During that time, he was instrumental in developing the entire faculty of Ayurveda in less than 2 years. He was actively involved as a Project Investigator in experiments on total health achievement of 100 villages initiated by Deendayal Research Institute at Chitrakoot. Vaidya Kotecha also rendered his services as Director of Research, JRD Tata Foundation for Research in Ayurveda and Yogic Sciences and was primarily responsible for a huge research infrastructure development of this foundation.

3. Vaidya Kotecha is instrumental in developing innovative academic reforms at Chitrakoot and Jamnagar. A huge number of scientific papers and a book are to his credit. He is well known for his clinical expertise and is an Ayurveda Consultant at Garry and Sun, Reno, Nevada & Omaha Healing Arts Center, Omaha, Nebraska at USA; Curacao Vedic Foundation, Curacao, Netherlands Antilles; Kamala Centra Ayurveda, Bogota, Colombia and Center Ayurveda d' Aquitaine, Bordeaux, France. He is visiting faculty for Yoga Teachers Training Program of Omaha Yoga Center, Omaha, Nebraska, USA; Externado University, Bogota, Colombia; Island Yoga Vista, Nanaimo, BC, Canada and Ames Yoga Center, Ames, IA, USA.

4. Vaidya Kotecha founded Chakrapani Ayurveda Clinic & Research Center in 1998 at Jaipur, India and served as Chief Physician and Executive Director till July 2013. Under his leadership the centre grew very fast in less than 15 years and has received ISO 9001:2008 and ISO 22000:2005 quality certifications. The Chakrapani Centre became a globally recognized Ayurveda therapeutic clinic for various chronic and non-communicable diseases during his tenure. He was CEO of Chakrapani Global Center for Training & Research in Ayurveda. He was instrumental in managing more than 75 high-ranking websites related to Ayurveda. He is Advisor, Vijnana Bharati, the biggest science and technology movement in India and Trustee, World Ayurveda Foundation; an initiative of Vijnana Bharati.

5. Vaidya Kotecha played a key role in implementing innovative approaches in Ayurveda researches. He is Member of Governing Body, Rashtriya Ayurved Vidyapith (Department of AYUSH, Government of India); Member, Governing Council & Research Committee, Association of Indian Universities, New Delhi; Member, Research Advisory Board, Deendayal Research Institute, New Delhi; Member, Technical Committee, Gujarat Medicinal Plants Board, Government of Gujarat; Expert Member in Advisory Committee, Department of AYUSH, Government of Rajasthan; Member, National Advisory Committee, SIDART (Society for Integrated Development Activities, Research and Training), India. He played a pivotal role as a member of 12th Five Year Plan AYUSH Steering Group - Sub Committee on Health Services, Public Health, Insurance and Accreditation of Government of India. Vaidya Kotecha is a leading resource person for Panchakarma training program for different Indian and foreign schools of Ayurveda education. He is also frequently invited to address on Ayurveda approaches by different countries like Germany, USA, UK, France, Colombia, Brazil, Italy, Curacao, Canada and Netherlands.

6. Vaidya Rajesh Kotecha is the recipient of numerous awards and honours including Global Ayurveda Physician Award in 2007 conferred by Hakim Azmalkhan Society, New Delhi; Ayurveda Rama award from International Academy of Ayurveda Physicians in 2008 etc.